चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार,

1 अप्रैल से 15 अप्रैल 2024 तक कपास की खेती के लिए सुझाव

बिजाई का समय

- कपास की बिजाई अप्रैल में शुरू कर मध्य मई तक कर लें। जून माह में कपास की बिजाई न करें। बिजाई से पहले पलेवा गहरा लगाएं, बिजाई सुबह या शाम के समय की जानी चाहिए। पूर्व से पश्चिम की दिशा में कपास की बिजाई लाभकारी होती है।
- देसी कपास की बिजाई अप्रैल माह में ही कर ले।
- खेत की तैयारी सुबह या शाम को ही करें खरपतवार के लिए स्टोम्प 2 लीटर प्रति एकड़ का छिड़काव बिजाई के बाद व जमाव से पहले करें बीटी कपास दो खूडों के बीच में मुंग (MH 421) के दो खुड सकते हैं।
- जो किसान भाई टपका विधि से बीटी कपास की बिजाई करना चाहते हैं वह जब तक जमाव नहीं होता तब तक रोज 10 से 15 मिनट सुबह–शाम ड्रिप अवश्य चलाएं व जमाव के बाद हर चौथे दिन लगभग 30 से 35 मिनट ड्रिप चलाएं।

उर्वरक

- किसान भाई मिट्टी की जांच अवश्य करवाएं, मिट्टी की जांच के आधार पर ही पोषक तत्व की मात्रा तय की जानी चाहिए। बी टी कपास की बिजाई के समय एक एकड़ में एक बैग यूरिया, एक बैग डी.ए.पी, 30 से 40 किलो ग्राम पोटाश व 10 किलो ग्राम जिंक सल्फेट (21 प्रतिशत खेत की तैयारी के समय अवश्य डालें।
- देसी कपास की बिजाई के समय एक एकड़ में 15 किलो ग्राम यूरिया व 10 किलो ग्राम जिंक सल्फेट अवश्य डालें।

उन्नत किस्में

- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित देसी कपास की उन्नत किस्में –
  देसी कपास की उन्नत किस्में – **एच डी 123 , एच डी 432**
- किसान भाई बी टी कपास का विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किया हुआ बीज ही लें (सूचि सलंग्न)। इसकी जानकारी के लिए आप जिले के कृषि विभाग या कृषि विज्ञान केंद्र से संपर्क कर सकते हैं। बी टी कपास का बीज प्रमाणित संस्था या अधिकृत विक्रेता से ही लें तथा इसका पक्का बिल अवश्य लें।

बीज की मात्रा

किस्म	रोंए उतारे बीज (कि.ग्रा. प्रति एकड)	रोंएदार बीज (कि.ग्रा. प्रति एकड)
अमरीकन कपास	6–8	8–10
बी टी कपास की संकर किस्में	0.850	–
देसी कपास की संकर किस्में	1.2 –1.5	–
देसी कपास	5.0	6.0

- बीटी कपास के दो पैकेट प्रति एकड़ के हिसाब से बिजाई करें। कतार से कतार व पौधे से पौधे की दूरी 100 x 45 सेंटीमीटर या 67.5 x 60 सेंटीमीटर रखें।

महत्वपूर्ण सावधानियाँ

- वर्तमान में गुलाबी सुंडी के प्रति बी टी कपास का प्रतिरोधक बीज उपलब्ध नहीं है अतः 3G, 4G एवं 5G के नाम से आने वाले बीजों से सावधान रहें।
- गुलाबी सुण्डी बी टी नरमे के दो बीजों (बिनौले) को जोड़कर 'भंडारित लकड़ियों' में निवास करती है, इसलिए लकड़ी व बिनौलों का भण्डारण सावधानीपूर्वक करें ।
- **किसान भाई अपने खेत में या आसपास रखी गई पिछले साल की नरमा की लकड़ियों के टिन्डे एवं पत्तों को झटका कर अलग कर दें एवं इक्कठा हुए कचरे को नष्ट कर दें। इन लकड़ियों के टिन्डो में गुलाबी सुंडी निवास करती है अतः यह कार्य मार्च महीने के अंत तक जरूर कर लें।**
- जिन किसान भाइयों ने अपने खेतों में बी टी नरमा की लकड़ियों को भंडारित करके रखा है या उनके खेतों के आसपास कपास की जिनिंग व बिनौलों से तेल निकालने वाली मिल लगती है उन किसानों को अपने खेतों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि इन किसानों के खेतों में गुलाबी सुण्डी का प्रकोप अधिक होता है।
- कपास की शुरुआती अवस्था में ज्यादा जहरीले कीटनाशको का प्रयोग ना करें। ऐसा करने से मित्र कीटों की संख्या भी कम हो जाती है।
- विश्वविद्यालय द्वारा कपास की खेती के लिए हर 15 दिन में वैज्ञानिक सलाह जारी की जाती है अतः उसके अनुसार ही सस्य क्रियांए एवं कीटनाशकों का प्रयोग करें।

बीज का उपचार

- जो किसान भाई अमेरिकन कपास (नॉन बी टी) या देसी कपास की बिजाई करना चाहते हैं बढ़िया परिणाम के लिए बिजाई से पहले नीचे दी गई दवाइयों से बीज को उपचारित करें । बिजाई से पहले रोए वाले बीज (6 – 8 किलोग्राम) का 6 से 8 घंटे तक तथा रोए उतारे गए बीज (5–6 किलोग्राम) का केवल 2 घंटे तक निम्नलिखित दवाइयों से उपचार करें।
- एमिशन– 5 ग्राम, स्ट्रेप्टोसाइक्लीन–1 ग्राम, सक्सीनिक – 1 ग्राम, को 10 लीटर पानी में मिलाकर उपचारित करें।

- इन दवाइयों से बीज उपचारित करने से पौधों का बहुत से फफूंदो तथा जीवाणुओं से बचाव हो जाता है। यह उपचार फसल को 40 – 50 दिन तक ही बचा सकता है। इसके बाद छिड़काव कार्यक्रम आरंभ कर दें।
- जिन क्षेत्रों में दीमक की समस्या हो वहां उपयुक्त उपचार के बाद बीज को थोड़ा सुखाकर 10 मिली लीटर क्लोरपाइरीफॉस 20 ई. सी. व 10 मिली लीटर पानी प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर थोड़ा–थोड़ा बीज पर छिड़के व अच्छी तरह मिलाएं तथा बाद में 30 – 40 मिनट बीज को छाया में सुखाकर बिजाई करें।

इसके अतिरिक्त कोई भी संशय होने पर निम्नलिखित नंबरों पर संपर्क करें

8002398139 7015105638 9812700110 9416530089 9041126105 9992911570 8901047834

कपास अनुभाग

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार

खरीफ 2024 के लिए बी टी कपास की अनुशंसित संकर किस्में

Sr. No.	Hybrid	Sponsoring Company
1	ACH 133-2 BGII	Ajeet Seeds Pvt Ltd
2	ACH 177-2 BGII	
3	ACH 33-2 BGII	
4	ACH 155-2 BGII	
5	ABCH 248 BGII	Amar Biotech Limited
6	ABCH252 BGII	
7	ABCH 4899 BGII	
8	ABCH 243 BGII	
9	ABCH 254 BGII	
10	ANKUR 3244 BGII	Ankur Seed Pvt Ltd
11	ANKUR 3244 BGII	
12	ANKUR 3228 BGII	
13	ANKUR 5642 BGII	
14	ANKUR JASSI BGII	
15	ANKUR 555BG II	
16	ANKUR 999 BGII	
17	BIO 6524 BG II	Bioseed Shriram Ltd
18	BIO 2510-2 BGII	
19	BIO 311-2 BGII	
20	BIO 6539-2 BGII	
21	BIO 841-2 BGII	
22	BIO 846-2 BGII	
23	GBCH 85 BG II	Green Gold Seeds
24	KCH 172 BGII	Kaveri Seeds Pvt Ltd
25	KCH 999 BGII	
26	KSCH 207 BGII	Kohinoor Seeds Pvt Ltd
27	KSCH 211 BG II	
28	KDCHH 441 BGII	Krishidhan Seeds Pvt Ltd
29	KDCHH 621 BGII	
30	KDCHH 641 BGII	
31	MRC 7301 BGII	MahycoPvt Ltd
32	MRC 7361 BGII	
33	MRC 7365 BGII	
34	VICH 308 BGII	
35	VICH 309 BGII	
36	VICH 310 BGII	
37	NCCH 0316 BG II	Navkaar Hybrid Seeds
38	NCS 4455 BGII	Nuziveedu Seeds
39	NCS 459 BGII	
40	NCS558 BG II	
41	NCS 495 BGII	
42	NCS 855 BGII	
43	NCS 857 BGII	
44	NCS 9002 BGII	
45	NCS 9013 BGII	
46	NCS 9024 BGII	

47	NCS 950 BGII	
48	PCH 225 BGII	Prabhat Agri Biotech
49	PCH 877 BGII	
50	PCH 879 BGII	
51	PCH 9604 BGII	
52	PCH 9611 BGII	
53	PRCH 302 BGII	Pravardhan Seeds Pvt Ltd
54	PRCH 333 BGII	
55	PRCH 7799 BG II	
56	MH 5302 BGII	Rallies India Ltd
57	MH5304 BG II	
58	RCH 314 BGII	Rasi Seeds Pvt Ltd
59	RCH 650 BGII	
60	RCH 653 BG II	
61	RCH 605 BG II	
62	RCH 791 BG II	
63	RCH 773 BGII	
64	RCH 776 BGII	
65	SHAKTI 9 BGII	
66	SWCH 4735 BGII	Seeds Works International Pvt Ltd
67	SWCH 4750 BGII	
68	SWCH 4768 BGII	
69	NAMCOT 616 BGII	Senthil Seeds
70	SOLAR 56 BGII	Solar Agro Pvt Ltd
71	SOLAR 65 BGII	
72	SOLAR 77 BGII	
73	SUPER 965 BGII	Super Seeds Pvt Ltd
74	SUPER 5 BGII	
75	SUPER 971 BGII	
76	SUPER 544 BGII	
77	SUPER 721 BG II	
78	SUPER 931 BGII	